राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI.No. UPHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करे 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | 9511151254 | epaper.swatantraprabhat.com | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शनिवार , 22 मार्च 2025

वर्ष 13, अंक 326, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

अलमबाग से अकबरपुर जा रही बस का भीषण हादसा....03

वीरांगना अवंतीबाई लोधी का मनाया गया बलिदान दिवस...04

एलन मस्क की कंपनी एक्स ने मोदी सरकार पर दर्ज कराया मुकदमा

कहा- आईटी एक्ट का गलत इस्तेमाल हो रहा है

एलन मस्क की कंपनी एक्स ने केंद्र सरकार के खिलाफ कर्नाटक हाईकोर्ट में एक केस दायर किया है। एक्स का कहना है कि भारत में आईटी एक्ट का गलत इस्तेमाल हो रहा है। सरकार सहयोग पोर्टल के माध्यम से कंटेंट ब्लॉक कर रही है। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की स्वामित्व वाली सोशल मीडिया कंपनी एक्स (पूर्व में ट्विटर) ने भारत सरकार के खिलाफ कर्नाटक हाई कोर्ट में एक वाद दायर करके कथित ''गैरकानूनी सामग्री विनियमन और मनमाने सेंसरशिप'' को चुनौती दी है।'एक्स' ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की केंद्र की व्याख्या, विशेष रूप से उसके द्वारा धारा 79(3)(बी) के उपयोग पर चिंता जतायी, जिसके बारे में एक्स ने दलील दी है कि यह उच्चतम न्यायालय के फैसलों का उल्लंघन है और डिजिटल मंच पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कमतर करता है। वाद में आरोप लगाया गया है कि सरकार धारा 69ए में उल्लिखित कानूनी प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए, एक समानांतर सामग्री अवरोधन तंत्र बनाने के लिए उक्त धारा का इस्तेमाल कर रही है। एक्स ने दावा किया कि यह दृष्टिकोण श्रेया सिंघल मामले में उच्चतम न्यायालय के 2015 के फैसले के विरोधाभासी है, जिसमें यह स्थापित किया गया था कि सामग्री को केवल उचित न्यायिक प्रक्रिया या धारा 69ए के तहत कानूनी रूप से परिभाषित माध्यम से ही अवरुद्ध किया जा सकता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, धारा 79(3)(बी) ऑनलाइन मंचों को अदालत के आदेश या सरकारी अधिसूचना द्वारा निर्देशित होने पर अवैध सामग्री को हटाना अनिवार्य करती है।मंत्रालय के अनुसार, यदि कोई डिजिटल मंच 36 घंटे के भीतर अनुपालन करने में विफल रहता है, तो उसे धारा 79(1) के तहत संरक्षण गंवाने का जोखिम होता है और उसे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) सहित विभिन्न कानूनों के तहत जवाबदेह ठहराया जा सकता है। हालांकि, 'एक्स' ने इस व्याख्या को चुनौती दी है और दलील दी कि यह प्रावधान सरकार को सामग्री को ब्लॉक करने का स्वतंत्र अधिकार नहीं देता है। 'एक्स' ने प्राधिकारियों पर उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना मनमाने ढंग से सेंसरशिप लगाने के लिए कानून का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। आईटी अधिनियम की धारा 69ए के तहत, सरकार को डिजिटल सामग्री तक सार्वजनिक पहुंच को अवरुद्ध करने का अधिकार है, यदि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता या सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा पैदा हो। हालांकि, इस प्रक्रिया को 2009 के सूचना प्रौद्योगिकी (सार्वजनिक रूप से सूचना तक पहुंच को अवरुद्ध करने की प्रक्रिया और सुरक्षा उपाय) नियमों द्वारा विनियमित किया जाता है, जिसके तहत अवरुद्ध करने के निर्णय लेने से पहले एक समीक्षा प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। 'एक्स' ने दलील दी है कि इन प्रक्रियाओं का पालन करने के बजाय, सरकार धारा 79(3)(बी) का उपयोग एक 'शॉर्टकट' उपाय के रूप में कर रही है, जिससे सामग्री को आवश्यक जांच के बिना हटाया जा सकता है। उसने कहा कि सोशल मीडिया मंच इसे उन कानूनी सुरक्षा उपायों के प्रत्यक्ष उल्लंघन के रूप में देखता है जो मनमाने सेंसरशिप को रोकने के लिए हैं।सोशल मीडिया मंच की कानूनी चुनौती में एक और प्रमुख बिंदु सरकार के 'सहयोग' पोर्टल का विरोध है। गृह मंत्रालय के तहत, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) द्वारा स्थापित यह पोर्टल धारा 79(3)(बी) के तहत हटाने के अनुरोधों को कारगर बनाने और सोशल मीडिया मंच और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सीधे संवाद की सुविधा के लिए तैयार किया गया था। वाद में दलील दी गई है कि यह न्यायिक निगरानी के बिना ऑनलाइन मंचों पर विमर्श को नियंत्रित करने का सरकार का एक और प्रयास है।

लंबित राजस्व वादो का हो शत प्रतिशत निस्तारण लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को किया जाए निलंबित : मुख्यमंत्री

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। मुख्यमंत्री ने जिला पंचायत सभागार गोण्डा में देवीपाटन मंडल के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ बैठक कर मण्डल के विकास कार्यक्रमों, निर्माण कार्यों एवं कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक जनपद के हुए विकास कार्यक्रमों की जानकारी एवं निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत रोड कटिंग की समस्या का तत्काल समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत अधिक से अधिक लाभार्थियों को ऋण सुविधा उपलब्ध करायी जाए। तटबंधों पर निर्माण कार्य को तेजी से कराया जाए जिससे की बाढ़ के समय कोई भी अप्रिय घटना ना हो। मुख्यमंत्री जी ने बैठक में गोल्डन कार्ड की प्रगति को लेकर सीएमओ से जानकारी ली। गोल्डन कार्ड को लेकर उन्होंने कहा कि सभी पात्रों के गोल्डन कार्ड बनाकर उन्हें उपलब्ध कराया जाये। उन्होंने जन आरोग्य योजना के तहत होने वाले उपचारों के संबंध में भुगतान की जानकारी ली एवं निर्देश दिए कि ऐसे प्राइवेट अस्पताल जो आयुष्मान जन आरोग्य योजना के तहत उपचार के भुगतान हेतु फर्जी बिल प्रस्तुत करते हैं ऐसे अस्पतालों का लाइसेंस निरस्त किया जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

निर्माण कार्यों में लूट खसोट करने वाले अधिकारियों के खिलाफ की जाए कार्रवाई

मुख्यमंत्री जी ने देवीपाटन मंडल में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर नाराजगी व्यक्त की एवं सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी बड़े प्रोजेक्ट के लिए एक एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए। निर्माण कार्य की प्रगति में सुधार न हो तो सम्बंधित अधिकारियों के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई की जाए। निर्माण कार्यों में किसी प्रकार का भ्रष्टाचार नहीं होना चाहिए। सरकारी धन की लूट पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया जाए। भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों को तत्काल निलंबित किया जाए। सभी प्रोजेक्ट समय पर ही पूरे किये जाएं। बेवजह समय बढ़ाकर सरकारी धन की लूट खसोट पर रोक लगाई जाए। कार्यदायी संस्थाओं की जिम्मेदारी तय की जाए। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता प्रारंभ में ही चेक कर ली जाए। गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का कोई समझौता न किया जाए। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज गोण्डा, मां पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय बलरामपुर सहित मण्डल में चल रहे अन्य निर्माण कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

राजस्व वादो से सरकार की छवि होती है खराब अधिकारी करायें विस्तारण

मुख्यमंत्री जी ने मंडल मैं लंबित राजस्व वादों के निस्तारण को लेकर भी समीक्षा की जिसमें उन्होंने मंडल में राजस्व वादों के निस्तारण की खराब प्रगति को लेकर काफी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि राजस्व वादों के निस्तारण न होने से सरकार की छवि खराब होती है। सभी लंबित राजस्व वादो का तहसील वाइज निस्तारण कराया जाए। स्पेशल कोर्ट लगाकर लंबित वादों का निस्तारण किया जाये। वाद निस्तारण में खराब कार्य करने वाले वाले नायब तहसीलदार, तहसीलदार व उप जिलाधिकारी के विरूद्ध निलंबन की कार्रवाई की जाए। नये आने वाले राजस्व वादों का भी समय से किया जाए निस्तारण।

बॉर्डर पर होने वाली शराब व पशु तस्करी पर लगाई जाए लगाम

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नेपाल बॉर्डर पर होने वाली शराब तस्करी पर पूर्ण रूप से लगाम लगाई जाये। कहीं भी जहरीली व मिलावट वाली शराब बिल्कुल भी नहीं बिकनी चाहिए। लगातार पेट्रोलिंग कर अवैध शराब बनाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। आबकारी विभाग निरंतर कार्रवाई करता रहे। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सभी जनपद के आरटीओ कार्यालय में घूमने वाले दलालों पर पूर्ण रूप से लगाम लगाई जाए। गैर कानूनी काम करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। **शेष खबर 12 पेज पर**

संक्षिप्त ख़बरें

बलिया में स्कूल बस और ट्रेलर में हुई भीषण टक्कर

बलिया (यूपी) के नरहीं थाना क्षेत्र से बच्चों को लेकर गाजीपुर जिले के रसूल गांव में स्थित एक प्राइवेट विद्यालय जा रही स्कूली बस को एनएच 31 पर कोटवा नारायणपुर में पीछे से ट्रेलर ने टक्कर मार दिया, जिससे बस असंतुलित होकर सड़क से नीचे जाकर पेड़ पर रूक गई। इसके बाद बस में बैठे बच्चों में चीख पुकार मच गई। ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। बस में सवार सभी बच्चे बाल बाल बच गए। एनएच 31 आए दिन जाम और दुर्घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। बता दें कि मुख्य सड़क पर अक्सर जाम देखा जाता है और इसके बारे में प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है लेकिन फिर भी किसी तरह की कार्रवाई न होने से ग्रामीण नाराज हैं।

किशोरी से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

सुरसा थाना क्षेत्र में एक किशोरी के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।प्राप्त विवरण में 18 मार्च को किशोरी के रिश्तेदार द्वारा थाना सुरसा पर तहरीर दी गयी कि गौरव पुत्र ब्रह्मा दीन निवासी ग्राम चमरहिया मजरा

सिन्धुवा मऊ थाना सुरसा द्वारा उसकी रिश्तेदार की पुत्री के साथ गलत कार्य किया गया। इस संबंध में थाना पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर पास्को एक्ट में आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की थी।थाना सुरसा के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण बली सिंह व पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग से संबंधित नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया गया।पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को मेडिकल परीक्षण करवाकर न्यायालय में प्रस्तुत किया।जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया।

पिछले 10 वर्षों में राजनीतिक नेताओं के खिलाफ दर्ज 193 ईडी मामलों में 2 दोष सिद्धि

स्वतंत्र प्रभात

केंद्र सरकार ने संसद को बताया है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले 10 वर्षों में राजनीतिक नेताओं के खिलाफ 193 मामले दर्ज किए हैं, जिनमें से दो मामलों में दोषसिद्धि हुई है। किसी भी मामले में गुण-दोष के आधार पर कोई बरी नहीं हुआ है।वित्त मंत्रालय ने यह बयान सीपीआई(एम) के राज्यसभा सांसद ए.ए. रहीम द्वारा उठाए गए प्रश्नों के उत्तर में दिया। रहीम ने पिछले दस सालों में सांसदों, विधायकों और स्थानीय प्रशासन के सदस्यों के खिलाफ दर्ज ईडी मामलों की संख्या, उनकी पार्टी के साथ, राज्यवार और सालवार जानना चाहा था। जवाब में, वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि सांसदों, विधायकों और स्थानीय प्रशासन के सदस्यों के साथ-साथ उनकी पार्टी के खिलाफ दर्ज ईडी मामलों का राज्यवार डेटा नहीं रखा जाता है।

हालांकि, पिछले 10 वर्षों के दौरान मौजूदा और पूर्व सांसदों, विधायकों, एमएलसी और राजनीतिक नेताओं या किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े किसी भी व्यक्ति के खिलाफ मामलों का वर्षवार विवरण वाली एक तालिका दी गई है।जैसा कि आंकड़ों से देखा जा सकता है, 2019-2024 की अवधि के दौरान ईडी मामलों की संख्या में उछाल आया, जिसमें सबसे अधिक मामले(32) 2023-204 की अवधि में दर्ज किए गए। मंत्री ने जवाब दिया कि इन मामलों में दो दोषसिद्धियां सुनिश्चित की गई हैं, एक 2016-2017 और एक 2019-2020 की अवधि में। सांसद के इस प्रश्न पर कि क्या हाल के वर्षों में विपक्षी नेताओं के खिलाफ दर्ज ईडी मामलों में वृद्धि हुई है, और यदि हां, तो इस प्रवृत्ति का औचित्य क्या है, मंत्री ने उत्तर दिया कि ऐसी कोई जानकारी नहीं रखी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कई मौकों पर मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में दोषसिद्धि की कम दरों के बारे में टिप्पणी की है। पिछले नवंबर में, टीएमसी विधायक पार्थ चटर्जी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए, कोर्ट ने मौखिक रूप से टिप्पणी की थी कि ईडी की दोषसिद्धि दर खराब है और पूछा कि किसी व्यक्ति को कितने समय तक अंडरट्रायल रखा जा सकता है। इससे पहले, कोर्ट ने कहा था कि पिछले दस वर्षों में ईडी द्वारा दर्ज किए गए 5000 मामलों में से केवल 40 में ही दोषसिद्धि हुई है, और ईडी को गुणवत्तापूर्ण अभियोजन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। अरविंद केजरीवाल मामले में पारित निर्णय में न्यायालय ने कहा था कि पीएमएलए शिकायतों और गिरफ्तारियों के आंकड़ों से कई सवाल उठते हैं और गिरफ्तारियों पर एक समान नीति की आवश्यकता पर बल दिया था। दिसंबर 2024 में, केंद्र सरकार ने संसद को सूचित किया कि पिछले पांच वर्षों के दौरान 01.01.2019 से 31.10.2024 के बीच मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध के लिए प्रवर्तन निदेशालय (÷ईडी÷) द्वारा पंजीकृत मामलों में दर्ज 911 अभियोजन शिकायतों में से 654 मामलों में परीक्षण पूरा हो गया था और यह 42 मामलों में दोषसिद्धि सुनिश्चित करने में सक्षम था। यानी, 6.42त्न दोषसिद्धि दर। रहीम के इस प्रश्न का उत्तर देते हुए कि क्या सरकार ने ईडी जांच की पारदर्शिता और दक्षता में सुधार के लिए कोई सुधार किया है, मंत्री ने कहा÷प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भारत सरकार की एक प्रमुख कानून प्रवर्तन एजेंसी है, जिसे धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए), विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) और भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 (एफईओए) के प्रशासन और प्रवर्तन का काम सौंपा गया है। ईडी विश्वसनीय साक्ष्य/सामग्री के आधार पर जांच के लिए मामलों को लेता है और राजनीतिक संबद्धता, धर्म या अन्यथा के आधार पर मामलों में अंतर नहीं करता है। इसके अलावा, ईडी की कार्रवाई हमेशा न्यायिक समीक्षा के लिए खुली रहती है। एजेंसी पीएमएलए, 2002; फेमा, 1999 और एफईओए, 2018 के कार्यान्वयन के दौरान की गई कार्रवाई के लिए विभिन्न न्यायिक मंचों जैसे न्यायाधिकरण, अपीलीय न्यायाधिकरण, विशेष न्यायालय, माननीय उच्च न्यायालय और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के प्रति जवाबदेह है।"

बदहाल भूसा चारा, चूनी, चोकर सब गायब चरवाही पर? आश्रित है पशु

जनपद की गौशालाओं का है बुरा हाल

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर। देश में व प्रदेश में प्रधानमन्त्री व मुख्य मन्त्री को गो सेवा करते हमे शोसल मीडीया पर प्रमुख्ता से दिखाया जाता है। वहीं गावों के गौशालाओं में गो माता भूख प्यास से व्याकुल होकर दम तोड़ती नजर आ रही है। 1.तुलसीपुर विकास खण्ड का मैनहवा ग्राम पंचायत की गौशाला में भूसा चारा चूनी चोकर आदि का घोर अभाव पाया गया। वहां कार्यरत श्राईकों को होली जैसे महत्वपूर्ण त्योहार में। मजदूरी तक नहीं मिली। पता चला कि पशु और श्रमिक दोनो भूख से बेहाल हैं। इस सम्बन्ध के ग्राम पंचायत सचिव मीनांक्षी राव ने बातचीत में फोन पर पूरी व्यवस्था चुस्त दुरुस्त होने का दावा किया और कहा कि हम लोग गो वंशों का विशेष ध्यान रखते हैं। 2 .इसी प्रकार तुलसीपुर विकास खंड के ही नन्हुआ पुर ग्राम पंचायत में लाखों-लाख की लागत से निर्मित गौशाला का अभी तक संचालन ही शुरु नही हो सका है गोआश्रय स्थल नन्हुआ पुर शोपीस बनकर रह गया 3.पचपेड़वा विकासखण्ड के थारु बाहुल्य गांव भगवान पुर कोडर में दो वर्ष पूर्ण वना गोआश्रय स्थल लावारिस हालत में शासन प्रशासन को मुंह चिढ़ा रहा है 4.पचपेड़वा विकास खण्ड के आदम तारा गांव के गौशाला में अनेक गाय बछड़ा भूख प्यास से दम तोड़ चुके हैं। ग्रामीणों द्वारा उच्चाधिकारियों से बात करने पर कुछ भूषा चारा और । की व्यवस्था की गई और पशुओं की चरवाही की व्यवस्था की गई। 5. पचपेड़वा, गैसडी और तुलसीपुर आदि विकासखण्डों के जंगल के गावों में बने गौशालाओं में पशुओं की जीवन चरवाही पर आश्रित है। उदाहरण के लिए पचपेड़वा के इमिलिया कोडर गौशाला में दो लोग तैनात है जो सुबह पशु को को खोल कर चराने ले जाते हैं और जंगलों में छोड़ देते हैं। शाम को जानवरों को लाकर गौशाला में कर देते हैं। 6. पूरे जिले मे के वनों के समीपवर्ती गायों मे आये दिन बाघों के हमले में मानव व पशुओं जान जा रही है। हालत यहाँ तक है। कि मोटर सायकिलों पर जा रहे लोगों पर वाघ हमला ज़ कर के घायल कर देते हैं। कभी-कभी तो गांवो में दिन के उजाले में दिखाई पड़ जाते हैं। ऐसी दशा में गोवंशों को जंगल के अन्दर कैस सुरक्षित माना जा सकता है। इसके अलावा सेंचुरी जीन में पालतु पशुओं को ज़ चराने से वन विभाग के आलाधिकारी व कर्म चारी कभी भी रोक लगा सकते हैं। उल्लेखनी है।कि किसी समय गाए बैल. बछड़ा किसानों की पूंजी हुआ करते थे जब भी किसानों के धन की गणना होती थी तो उसके पशुधन भी जोड़ा जाता था परन्तु अब इसे इस परिस्थित से बाहर कर दिया गया है। दूध दही घी मक्खन सबको चाहिये खेतो में डालने के लिए गोबर की खाद चाहिए बस गौ सेवा से ही घिन आती है

रिस्तेदारों को बुलवाकर मारपीट करवाने का आरोप

महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत महदेईया निवासी महेन्द्र, सुमेन्द्र व सुरेन्द्र उर्फ छोटू तीन भाई हैं। बुधवार की शाम को महेन्द्र व सुरेन्द्र के बीच जमीन बंटवारे को लेकर मारपीट हुई थी जिसमें पुलिस पहुंचकर मामले को शान्त करा दिया था। आरोप है की श्रीराम का बड़ा पुत्र महेन्द्र व उसकी पत्नी माया सुरेन्द्र उर्फ छोटू को मारने पीटने के लिए सोनौली कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत मोहनजोत, श्यामकाट व बडहरी से 11 बजे रात को पांच रिस्तेदार बुलाया था। परसामलिक पुलिस को दिए तहरीर में सुरेन्द्र ने लिखा है कि रात करीब 11 बजे वह खाना खाकर सड़क पर टहल रहा था तभी तीन बाईक पर पांच लोग सवार होकर आए और चाकू व पंच से हमला बोलकर अधमरा कर दिया। मार पीट कर मोबाइल छीन कर तोड दिया इसके साथ ही एक सोने की अंगूठी व माला भी छीन लिया है इस सम्बन्ध में परसामलिक एसएसआई अभिजीत कुमार का कहना है तहरीर मिली है। तीन आरोपी हिरासत में हैं। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामले की जांच पड़ताल कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस- प्रकृति का आभार मानने का वक्त

[वनों की पुकार- क्या हम सच में सुन रहे हैं?]

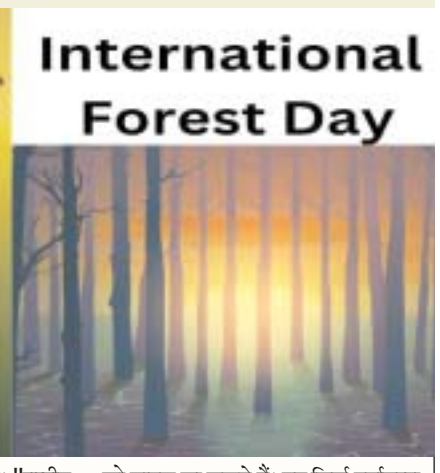

जंगल की गहराइयों में, जब सूरज की पहली किरण पत्तियों की ओट से छनकर धरती को स्पर्श करती है, तो प्रकृति एक अनूठा चमत्कार रचती है। हवा में घुलती मिट्टी की सोंधी खुशबू, पेड़ों के झुरमुट में गूंजती चिड़ियों की मधुर चहचहाहट और हर कदम पर बिछी हरी चादर–यह वनों का वह जीवंत राग है, जो धरती को साँस देता है। वन हमारे ग्रह के प्राण हैं, जो हर साँस में शुद्ध ऑक्सीजन का उपहार देते हैं। ये जलवायु को संतुलित करते हैं, जैव विविधता को आश्रय देते हैं और अनगिनत जीवन को सहारा देते हैं। हर साल 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के रूप में हम इस अनमोल धरोहर को नमन करते हैं, इसके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं और इसे संरक्षित करने की शपथ लेते हैं। इस बार की थीम "वन और भोजन" वनों की उस अनदेखी शक्ति को उजागर करती है, जो खाद्य सुरक्षा, पोषण और आजीविका का आधार बनती है। मगर यह सवाल मन को मथ डालता है–क्या हम वास्तव में इस अमूल्य संपदा के मोल को पहचानते हैं, या इसे खो देने की दहलीज पर आ खड़े हुए हैं? वनों का महत्व सिर्फ पर्यावरण तक सीमित नहीं है; यह जीवन का आधार है। वैज्ञानिक दृष्टि से ये पृथ्वी के सबसे बड़े कार्बन अवशोषक हैं। हर साल लगभग 10 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड को सोखकर ये ग्रीनहाउस गैसों के प्रभाव को कम करते हैं। यह जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक प्राकृतिक कवच है। दूसरी ओर, जैव विविधता के संदर्भ में वन एक अनमोल रत्न हैं। अमेज़न वर्षावन की बात करें, तो वहाँ 16,000 से अधिक वृक्ष प्रजातियाँ और लाखों जीव-जंतु बसते हैं। यह धरती का सबसे जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र है, जो प्रकृति की रचनात्मकता का जीता-जागता प्रमाण है। वनों का आर्थिक और सामाजिक महत्व भी कम नहीं है। विश्व भर में करीब 1.6 अरब लोग अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर हैं। खासकर आदिवासी समुदायों के लिए जंगल जीवन का आधार हैं। ये उन्हें भोजन, औषधीय पौधे, लकड़ी और आश्रय देते हैं। भारत के घने जंगलों में बसे आदिवासी आज भी वनों से मिलने वाली जड़ी-बूटियों से अपनी चिकित्सा करते हैं। इसके अलावा, वन पर्यटन और लकड़ी आधारित उद्योगों के जरिए अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हैं। सच कहें, तो वन केवल हरे-भरे पेड़ नहीं, बल्कि सभ्यता का वह आधार हैं, जिस पर हमारा वजूद टिका है।

लेकिन यह हरा सपना तेजी से मुरझा रहा है। हर साल 13 मिलियन हेक्टेयर जंगल–यानी पुर्तगाल के बराबर क्षेत्र–काट दिया जाता है। शहरीकरण की अंधी दौड़, कृषि भूमि का विस्तार और औद्योगिक जरूरतों ने वनों को निगलना शुरू कर दिया है। भारत में भी वन क्षेत्र घट रहा है, हालाँकि कुछ प्रयासों से स्थिति सुधरी है। वन कटाई का असर सिर्फ पेड़ों तक सीमित नहीं है। यह मिट्टी के कटाव को बढ़ाता है, नदियों को सूखने देता है और बाढ़ जैसी आपदाओं को न्योता देता है। जैव विविधता पर इसका प्रभाव और भी भयावह है। हर पेड़ के साथ अनगिनत प्रजातियाँ विलुप्त हो रही हैं। उदाहरण के लिए, अमेज़न में वन कटाई के कारण कई दुर्लभ प्रजातियाँ हमेशा के लिए खो गईं। कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि से धरती का तापमान बढ़ रहा है, और ग्लोबल वार्मिंग अब एक दूर की बात नहीं, बल्कि हमारी आँखों के सामने की हकीकत है। यह सब उस भविष्य की ओर इशारा करता है, जहाँ जंगल सिर्फ बच्चों की किताबों में रंगीन चित्र बनकर रह जाएँगे। क्या हम सचमुच ऐसी दुनिया चाहते हैं?

इस संकट से निपटने के लिए दुनिया भर में कदम उठाए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में वनों के सतत प्रबंधन को प्रमुखता दी गई है। यह लक्ष्य 2030 तक वन क्षेत्र को बढ़ाने और उनकी गुणवत्ता को बेहतर करने की बात करता है। भारत भी इस दिशा में पीछे नहीं है। "राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम" और "ग्रीन इंडिया मिशन" जैसी योजनाएँ वन क्षेत्र को हरा-भरा करने में जुटी हैं। भारत सरकार ने 33त्न भू-भाग को वन क्षेत्र बनाने का संकल्प लिया है, जो एक महत्वाकांक्षी लेकिन जरूरी लक्ष्य है। अवैध कटाई पर रोक के लिए सख्त कानून बनाए गए हैं। कई देशों में ड्रोन और सैटेलाइट तकनीक से जंगलों की निगरानी की जा रही है। गैर-सरकारी संगठन और स्थानीय समुदाय भी इस मुहिम में शामिल हैं। भारत में "चिपको आंदोलन" जैसी मिसालें आज भी प्रेरणा देती हैं, जहाँ लोगों ने पेड़ों से चिपककर उन्हें बचाया। वृक्षारोपण अभियान भी जोर पकड़ रहे हैं। लेकिन क्या ये प्रयास पर्याप्त हैं? शायद नहीं। हमें और तेजी से, और बड़े पैमाने पर काम करना होगा।

वनों की रक्षा सिर्फ सरकारों या संगठनों का काम नहीं है; यह हमारी साझा जिम्मेदारी है। हम में से हर एक इस बदलाव का हिस्सा बन सकता है। एक पेड़ लगाना, कागज का कम इस्तेमाल करना, प्लास्टिक से दूरी बनाना–ये छोटे कदम हैं, जो मिलकर एक बड़ा फर्क ला सकते हैं। अपने घर के आसपास हरियाली बढ़ाना, बच्चों को पेड़ों का महत्व समझाना, और सामुदायिक स्तर पर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना–ये सब हमारे हाथ में है। आदिवासी समुदायों से हम सीख सकते हैं कि प्रकृति के साथ तालमेल कैसे बिठाया जाता है। उनकी जीवनशैली में वनों के प्रति सम्मान और संरक्षण की भावना गहरे से बसी है। हमें भी अपने जीवन में यह भावना अपनानी होगी। अगर हर व्यक्ति एक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल करे, तो हम लाखों हेक्टेयर जंगल को वापस ला सकते हैं। यह सिर्फ पर्यावरण की बात नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर दुनिया की नींव रखने की बात है।

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस हमारे सामने एक सुनहरा अवसर लाता है–सोचने का, महसूस करने का और कुछ कर दिखाने का। यह वह पल है, जब वनों की गहरी पुकार हमारे कानों तक पहुँचती है, हमें झकझोरती है। हर पेड़ जो हम बचा लेते हैं, वह धरती की साँसों में एक नई जान फूँकता है। हर बीज जो हम धरती की गोद में सौंपते हैं, वह उम्मीद की एक नई गाथा रचता है। वन हमारे अतीत की जीवंत कथा हैं, वर्तमान की सजीव हकीकत हैं और भविष्य का वो सपना, जो हम सच कर सकते हैं। इस वन दिवस पर एक अटूट संकल्प लें। अपने हाथों में एक नन्हा पौधा थामें, उसे धरती की गोद में सौंपें और उसे जीवन की नई ऊँचाइयों तक बढ़ते देखें। उस पौधे के साथ एक वचन दें–कि हम जंगलों को मुरझाने नहीं देंगे, कि हम उस मधुर संगीत को ठहरने नहीं देंगे, जो पत्तियों की सरसराहट से हवा में गूँजता है। वन लहलहाएँगे, तो धरती खिलखिलाएगी। यह हँसी हमारी होगी, हमारे बच्चों की होगी और उन अनगिनत पीढ़ियों की होगी, जो हमारा इंतज़ार कर रही हैं। अब वक्त है एक पेड़ लगाने का, एक जंगल बचाने का और धरती को फिर से हरी-भरी शोभा से सजाने का। यह वही पल है, जब हमें आगे बढ़कर प्रकृति की रक्षा का संकल्प लेना होगा, क्योंकि वन हैं, तो जीवन है, और वन हैं, तो हम हैं, हमारी धरा की मुस्कान है।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

संपादकीय

ट्रम्प के टैरिफ से दुनिया में नया टेरर

अमेरिका में इस बार चुनाव के दौरान ही ट्रंप के आक्रामक तेवर बता रहे थे कि वो न केवल नया कुछ करेंगे बल्कि सभी राष्ट्रपतियों से बड़ी लकीर खीचेंगे। 13 जुलाई 2024 को उन्हें मारने की कोशिश के दौरान चली गोली जो कान छूते निकली और पूरे चुनावी रुख को बदल डाला। कहीं मौत और ट्रंप के बीच का सेकेंड्स से भी कम का ये फासला ही सख्त तेवरों की वजह तो नहीं? उनके मुंह से तब निकले फाइट, फाइट, फाइट शब्द अब हकीकत में दुनिया के लिए चुनौती बन रहे हैं। ट्रंप कड़े और बड़े फैसले लेकर सबसे 'फाइट' कर रहे हैं। क्या उनका दूसरा कार्यकाल अमेरिका और दुनिया में नया इतिहास रचेगा? सबसे ज्यादा परेशानी और हैरानी उनकी हालिया टैरिफ घोषणाओं से है जो दुनिया में चिंता का सबब है।

आखिर टैरिफ है क्या? जिससे ट्रंप की घोषणा के बाद बड़ा वैश्विक भूचाल आया? यह दूसरे देशों से आयातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला टैक्स है। जिसका भुगतान आयातक करते हैं। किसी वस्तु पर 10 फीसदी टैरिफ का मतलब भारत से अमेरिका पहुंची 5 डॉलर की उस वस्तु पर 0.50 डॉलर का अतिरिक्त टैक्स है। इससे आयातित वस्तु का दाम बढ़ता है और खरीददार सस्ते घरेलू उत्पाद ढूंढ़ने लगते हैं। नतीजन आयात करने वाले देश को अपनी अर्थव्यवस्था बढ़ाने में सहयोग मिलता है। लेकिन ट्रंप का नजरिया अलग है। वो इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था बढ़ाने, नौकरियों की रक्षा करने और कर राजस्व बढ़ाने के तौर पर देखते हैं। दुनिया के अमीरों में शुमार दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट जिनके बारे में कहा जाता है कि वो दुनिया के शेयर बाजार की चाल को नियंत्रित करते हैं भी ट्रंप के इस कदम से नाखुश हैं। बफेट टैरिफ नीतियों को युद्ध जैसा कदम मानते हैं। महंगाई और उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंकाएं जताते हैं। इससे दीर्घकालीन अवधि में आर्थिक प्रभावों पर दुष्प्रभाव तथा आम उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंका जताते हैं। बफेट की टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ट्रंप के चीन, कनाडा और मैक्सिको पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा के बाद आई। इससे ग्लोबल ट्रेड वॉर और बढ़ा जो निवेशकों की गहरी चिंता का सबब है।

टैरिफ पर अमेरिका और चीन आमने-सामने हैं। चीन चेतावनी दे चुका है कि वो इससे निपटने खातिर तैयार है। अमेरिकी दबाव का मुकाबला करेगा। चीनी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ते ही दुनिया की दो दिग्गज अर्थव्यवस्थाओं के मध्य व्यापार युद्ध के आसार झलकने लगे हैं। चीनी विदेश मंत्री वांग का बयान कि यदि कोई देश केवल अपने हित आगे बढ़ाने लगे तो दुनिया में जंगल का कानून लागू हो सकता है। उन्होंने याद दिलाया कि अमेरिका को फेंटेनाइल महामारी से निपटने में बीजिंग का सहयोग नहीं भूलना चाहिए। क्या वाशिंगटन इस उदारता का बदला अकारण टैरिफ बढ़ा ले रहा है? सच है कि चीन लंबे समय से विश्व का कारखाना बना हुआ है। 1970 के आखिर में जैसे ही चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था? दुनिया के लिए खोली तबसे सस्ते श्रम और बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश के चलते ऊंचाइयां छूता चला गया। शायद ट्रंप को यही चीनी सफलता चुभ रही हो? दुनिया की निगाहें ट्रंप के टैरिफ युद्ध खासकर चीन की मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री पर है कि उसे कितना नुकसान पहुंच सकता है।

दूसरी ओर ट्रंप इस बार अपने व्यापारी मित्रों, सहयोगियों और सलाहकारों से ज्यादा घिरे दिखते हैं। टैरिफ उनके इकोनॉमिक प्लान्स का हिस्सा है। इससे अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार बढ़ेंगे। गौरतलब है कि उनके खास मित्र एलेन मस्क भारत में संभावनाओं को खोज ही रहे थे कि ट्रंप की सत्ता वापसी हुई। माना कि मस्क की टेस्ला कार की कीमत एक करोड़ होगी उस पर भारत में उतना ही टैरिफ लगेगा जिससे यहां कीमत दो करोड़ हो जाएगी। यदि दबाव के चलते कहीं शून्य टैरिफ वाली स्थिति बनी तो वही कार एक करोड़ में भारत में मिलेगी। इससे भारतीय कार बाजार को जबरदस्त चुनौती तय है।

यकीनन बात बहुत बिगड़ चुकी है। भारत समझता है कि ट्रंप जब कनाडा, यूरोपीय देशों और चीन को भी नहीं बख्श रहे तो भारतीय हितों व सम्मान की रक्षा खुद करनी होगी। वहीं ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस के पहले संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए ऐतिहासिक भाषण दिया। इसमें भारत का नाम फिर उन देशों के साथ लिया जिन्होंने अपनी ऊंची शुल्क दर से नरम अमेरिकी नीति का फायदा उठाया। अमेरिका आगामी दो अप्रैल से इन देशों पर 'जैसे को तैसा' या %आंख के बदले आंख% की तर्ज पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा। जो देश जितना टैरिफ अमेरिकी कंपनियों पर लगाएगा, अमेरिका भी उतना ही अपने यहां लगाएगा। इससे भारतीय एक्सपोर्ट महंगा होगा। खाद्य पदार्थ, टेक्सटाइल्स, कपड़े, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, जेम्स एंड ज्वेलरी, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटोमोबाइल सामग्रियां अमेरिकी बाजार में महंगी होंगी। नतीजन भारतीय उत्पाद वहां अभी जैसे नहीं टिक पाएंगे।

1951 में अमेरिकी संविधान में 22वें संशोधन के बाद कोई भी व्यक्ति दो बार राष्ट्रपति रह सकता है। ट्रंप आखिरी टर्म में वो कर गुजरना चाहते हैं जो इतिहास बने। वहीं उनके व्यापारी मित्र अपने व्यापारिक हितों में लिपटे दिखते हैं। ट्रंप की मंशा को समझना आसान भी नहीं क्योंकि वो खुद नहीं जानते कि अगले पल क्या कर गुजरेंगे?

जिद्दी ट्रंप किसी मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को नहीं मानते। न यही बताते कि पुराने अमेरिकी प्रशासनों ने ऐसे देशों को क्यों ऊंची दर से शुल्क लगाने दिया। वो अड़ी में हैं। हाल ही में व्हाइट हाउस में ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच प्रेस कांफ्रेन्स के दौरान कैमरों पर जो अप्रिय विवाद दिखा उसकी चहुंओर निंदा हुई। शांति की कीमत के बदले ट्रंप की यूक्रेनी खनिज भंडारों पर कब्जे की मांग यकीनन निंदनीय है। ट्रंप की नीयत ही बदनीयत लगती है। कहीं वो दुनिया को नए ट्रेड वार में धकेल उससे भी कमाने का रास्ता तो नहीं खोज रहे?

ऋतुपर्ण दवे

हिंदी साहित्य की जीवंत रचनाओं के अमर कवि

कविता मन की भावनाओं और विचारों की अभिव्यक्ति का एक सुंदर माध्यम है। साहित्य में कविताओं का अपना विशेष स्थान है। कविताओं में शब्दों का चयन और भावों का अर्थ महत्वपूर्ण होता है। रचनाओं में भावनाओं, कल्पना और विचारों को सुंदर एवं आकर्षक तरीके से लय और छंद में प्रस्तुति ही एक सफल कविता की पहचान होती है।

भारत अनेक महान कवियों की जन्मभूमि रही है। जिन्होंने अपनी ओजस्वी रचनाओं के द्वारा जन मानस के विचारों को प्रभावित किया। उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति, इतिहास और समाज को कलमबद्ध किया। इन कवियों ने अपनी रचनाओं में प्रेम, सौंदर्य, दर्शन और जीवन के विभिन्न पहलुओं को व्यक्त किया है।

कुछ प्रमुख हिंदी कवि हैं-

रामधारी सिंह 'दिनकर'

हिंदी साहित्य के महान राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की रचनाएं हृदयस्पर्शी होती है। इनकी रचनाएं पाठक के हृदय और मस्तिष्क को संतुष्ट कर देती है। इन्होंने अपनी कविताओं में ओज, विद्रोह और श्रृंगार रस के साथ देश भक्ति, सामाजिक न्याय और मानवता के मूल्यों को भी व्यक्त किया। उनकी प्रसिद्ध रचना कुरुक्षेत्र जिनमें उन्होंने महाभारत युद्ध को आधुनिक तरीके से दिखाया। ज्ञानपीठ से सम्मानित उनकी रचना उर्वशी की कहानी मानवीय प्रेम, वासना और सौन्दर्य का काव्य हैं।

उर्वशी की एक पंक्ति गयीं हैं-

"मर्त्य मानव की विजय का तूर्य हूँ मैं,
उर्वशी! अपने समय का सूर्य हूँ मैं
अंध तम के भाल पर पावक जलाता हूँ,
बादलों के सीस पर स्यंदन चलाता हूँ."

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

बहुमुखी प्रतिभा के धनी सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' महान कवि के साथ-साथ संगीतकार और चित्रकार भी थे। उन्होंने अपनी कविताओं में जीवन के विभिन्न पहलुओं को दिखाया। इनकी रचनाएं वास्तविकता के अधिक निकट प्रतीत होती है। रचनाओं की सरल और सुंदर भाषा शैली पाठकों के हृदय में उतर जाती है। अपने काव्य संग्रह परिमल की भूमिका में वे लिखते हैं- "मनुष्यों की मुक्ति की तरह कविता की भी मुक्ति होती है।" उनकी रचना में अन्य कवियों की तुलना में कल्पनाएं कम और सच्चाई ज्यादा है। उदाहरण के तौर पर, 'वह तोड़ती पत्थर' कविता की एक पंक्ति-

देखा मैंने उसे इलाहाबाद के पथ पर
वह तोड़ती पत्थर।
कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार

इस कविता में उन्होंने कड़ी धूप में मेहनती मजदूरों-श्रमिकों की स्थिति को दर्शाया है।

महादेवी वर्मा

महादेवी वर्मा का साहित्यिक योगदान बहुत महत्वपूर्ण और व्यापक है। इन्हें इनकी उत्कृष्ट रचनाओं के लिए 'साहित्य की मीरा' कहा गया है। महादेवी जी एक समाज सेविका भी रही है। उनकी कविताओं में गहरी भावनाएँ, आध्यात्मिकता और नारीवादी दृष्टिकोण झलकते हैं। उन्होंने प्रकृति, प्रेम, स्त्री की भावना और जीवन को आकर्षक तरीके से कविताओं में बांधा है। उनकी कविताओं के गहरे भाव और सुंदर शब्द पाठकों के दिल को छू लेता है। उन्होंने हिंदी साहित्य को निहार, रश्मि, संध्यागीत, दीपशिखा, जैसी अनेकों बेहतरीन रचनाओं का उपहार दिया है। उनकी एक कविता की पंक्ति-

" चिर सजग आँखे उनींदी आज
कैसा व्यस्त बाना!
जाग तुझको दूर जाना!"

इसमें पंक्ति में, आलस त्याग साहस के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी गई है।

सुभद्रा कुमारी चौहान

"खूब लड़ी मर्दानी, वह तो झांसी वाली रानी थी" की रचनाकार सुप्रसिद्ध कवित्री सुभद्रा कुमारी चौहान हिंदी साहित्य की अनमोल रत्न है। उनकी रचनाएं में ओज और सरलता का मिश्रित रूप देखने को मिलता है। साधारण नारी के जीवन से लेकर वीरों की मन की भावनाओं को भी सुंदर भाव के साथ गढ़ती है। वीरों का कैसा हो बसंत, यह कदंब का पेड़ और झांसी की रानी जैसी अनेकों रचनाएं एक युग पार कर, आज भी उतनी ही लोकप्रिय है।

एक युग बीत जाने के बाद भी इन कवियों की रचनाएं आज भी पाठकों के दिल में जगह बनाई हुई है और आगे भी जीवंत रहेगी। बेहतरीन रचनाएं कभी भूली नहीं जाती है। इन कवियों ने अपनी कविताओं में जीवन के विभिन्न पहलुओं को व्यक्त किया और समाज में सुधार के लिए आवाज उठाई। उनकी कविताएँ आज भी लोगों द्वारा बहुत पसंद की जाती हैं और हिंदी साहित्य में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। हिंदी साहित्य में इन कवियों का स्थान हमेशा एक जगमगाते तारे की तरह विराजमान रहेगा।

अम्बिका कुशवाहा 'अम्बी'

विद्यालय स्मृति

आओ कभी फिर विद्यालय की
दहलीज पर दोबारा
तुम्हें वह सब नये -पुराने
ख्वाब मिलेंगे।

आओ कभी फिर शिक्षालय की
देहली पर दोबारा
तुम्हें शिक्षक की डांटा के बाद
प्यार की परछाई नज़र आएगी।

आओ कभी फिर ज्ञानमंदिर की
डेहरी पर दोबारा
तुम्हें जीवन को राह दिखाती
शिक्षक की आवाज आएगी।

आओ कभी फिर विद्या मंदिर की
चौखट पर दोबारा
तुम्हें ज्ञान का दीप जलाते हुआ
शिक्षक की कर्मठता नज़र आएगी।

डॉ.राजीव डोगरा

न नेजे उठेंगे और न मेले लगेंगे

तुम भले ही हिंदुस्तान की सरजमीं पर पैदा हुए हो लेकिन यहां न तुम्हारी कब्रें महफूज रहने वाली हैं न तुम्हारे नाम पर मेले लगाने की इजाजत दी जायेगे । और तो और नेजे भी नहीं उठने दिए जायेंगे। ये जिद है संविधान की शपथ लेकर काम करने वाली डबल इंजिन की सरकारों की। सरकारें अब संविधान के तहत नहीं बल्कि नागपुरिया संहिता के तहत चल रहीं हैं। कोई इन्हें रोकने वाला नहीं है। आपको याद है कि देश में 317 साल पहले सुपुर्दे खाक किया जा चुका अतीत का मुगलेआजम औरंगजेब हाल ही में ज़िंदा किया जा चुका है। औरंगजेब के नाम पर बिदकने वाले हमारे नेता और उनके अंध समर्थक [आप भक्त भी कह सकते हैं] अब औरंगजेब की कब्र खोदने पर आमादा है। उन्हें औरंगजेब के नाम से ओसामा बिन लादेन की भनक मिलती है हालाँकि नमने से किसी ने औरंगजेब को न पैदा होते देखा है और न अंतिम साँस लेते हुए। वे ओसामा बिन लादेन की हत्या की तरह एक बार फिर औरंगजेब की हत्या कर उसकी कब्र में दफन मिट्टी बाहर निकालकर समंदर के हवाले करना चाहते हैं। कोशिशें जारी हैं ,उन पर अमल होना बाकी है। अम्ल सिर्फ इसलिए नहीं हो रहा क्योंकि सरकार को डर है कि यदि औरंगजेब दूसरी बार भी मरने के बाद यदि नहीं मरा तो क्या होगा?

मेरी औरंगजेब से कोई सहानुभूति नहीं है ,क्योंकि मैंने उसे देखा ही नहीं है और जिसे देखा ही नहीं है उससे मोहब्बत या नफरत करने का कोई मतलब नहीं है ,जो ऐसा कर रहे हैं वे या तो नादान हैं या बज्जर मूर्ख। क्योंकि कोई बज्जर मूर्ख ही सदियों पहले मर चुके किसी इंसान के खिलाफ नफरत का माहौल बना सकता है। मुश्किल ये है कि नफरत की ये आंधी रुक नहीं रही है। अब खबर है कि योगी आदित्यनाथ के यूपी में संभल में महमूद गजनवी के सेना के मुखिया सैयद सालार मसूद गाजी की याद में लगने वाला 'नेजा मेला' अब नहीं होगा। जिला . पुलिस-प्रशासन ने मेले के आयोजन की अनुमति नहीं दी है. प्रशासन का कहना है कि लुटेरे-हत्यारे के नाम पर किसी भी तरह का आयोजन नहीं होने दिया जाएगा. सालार मसूद गाजी को आक्रांता बताया जा रहा है।

किस्सा ये है कि 1034 ईस्वी में बहराइच जिला मुख्यालय के समीप बहने वाली चित्तौरा झील के किनारे महराजा सुहेलदेव ने अपने 21 अन्य छोटे-छोटे राजाओं के साथ मिलकर सालार मसूद गाजी से युद्ध किया था और उसे युद्ध में पराजित कर मार डाला था. उसके शव को बहराइच में ही दफना दिया गया था, जहां सालाना जलसा होता है। मजे की बात ये है कि यूपी सरकार को इस इतिहास कि बारे में इसी साल इल्हाम हुआ जबकि वो यहां दूसरी बार सत्ता में है। चूंकि सरकार को ये इतिहास नागवार लगता है तो संभल के एडिशनल एसपी को ये कैसे पुसाता सो उंहोने ने तो कैमरे पर सालार समर्थकों को राष्ट्रविरोधी तक कह दिया। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने सोमनाथ जैसे मंदिरों पर हमला किया, कत्लेआम मचाया, कोई उसकी याद में मेले का आयोजन कैसे कर सकता है, ये अपराध है। नौकरशाही कि भगवाकरण का यही नतीजा पूरे देश में होने वाला है। मध्यप्रदेश कि ग्वालियर शहर से इसका श्रीगणेश हो चुका है। ग्वालियर में कलेक्टर से लेकर निगमायुक्त तक भाजपा कि होली मिलन समारोह में भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह शामिल हो चुके हैं।

बात यहीं नहीं खत्म नहीं हो रही। खबर है कि सनातन रंग में रंगा यूपी का जिला प्रशासन संभल 'नेजा मेले' मामले के बाद बहराइच में भी 'जेठ मेले' पर बैन लगाने जा रहा है। . इसके लिए विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी डीएम को ज्ञापन देंगे. ज्ञापन में बहराइच में सालार मसूद गाजी की दरगाह पर लगने वाले 'जेठ मेले' को परमिशन नहीं देने की मांग की जाएगी। इतिहास बताता है कि सैयद सालार मसूद गाजी का जन्म 1014 ईस्वी में अजमेर में हुआ था. वह विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी का भांजा होने के साथ उसका सेनापति भी था. तलवार की धार पर अपनी विस्तारवादी सोच के साथ सालार मसूद गाजी 1030-31 के करीब अवध के इलाकों में सतरिख (बाराबंकी) होते हुए बहराइच, श्रावस्ती पहुंचा था। अब इसतरवादी नीति तो आज की भाजपा की भी है। भाजपा पूरे देश में फ़ैल जाना चाहती है। तो क्या आने वाले कल में लोग भाजपा को भी अपराधी मानेंगे ? क्या भाजपा से भी इसी तरह नफरत की जाएगी जैसे की आज मजारों ,दरगाहों और कब्रों से की जा रहीहै ।

सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह पर साल में चार बार उर्स होता है, लेकिन सबसे बड़ा आयोजन जेठ महीने में होने वाला मेला है, जो पूरे एक महीने तक चलता है. इस मेले में लाखों की संख्या में हिंदू और मुस्लिम श्रद्धालु शामिल होते हैं. स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस मेले में हिंदुओं की संख्या 50-60 प्रतिशत तक होती है, जो अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए यहां आते हैं। सालार की दरगाह पर मुंबई निवासी सुशीला जैसवाल पिछले 12-13 वर्षों से आ रही हैं। उन्होंने बताया कि जब उनके घर संतान नहीं हो रही थी, तब उन्होंने इस दरगाह पर मन्नत मांगी. उनके अनुसार, दरगाह पर उनकी प्रार्थना स्वीकार हुई और उन्हें बेटा हुआ. आज उनका बेटा 13 साल का हो चुका है।

सवाल ये है कि क्या यूपी की और दूसरे सूबों में भाजपा की सरकार तमाम मुसलमानों की कब्रें खुदवा डालेगी क्या भाजपा हाई कमान ने अपनी तमाम सरकारों को फतवा जारी कर दिया है की मुस्लिम दरगाहों पर होने वाले तमाम उर्स और मेले लगाने की इजाजत किसी भी सूरत में नहीं दी जाये? यदि ऐसा है तो फिर देश की सबसे बड़ी अदालत को स्वत्- संज्ञान लेकर मंदबुद्धि हो रही सरकारों को हिदायत देना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता तो आप समझ लीजिये की भांग पूरे कुएं में घुल चुकी है। अब इतिहास को,परम्पराओं को बचने वाला कोई नहीं है। अच्छे-खासे आबाद मुल्क इसी तरह की संकीर्णता से बर्बाद होते हैं। मुल्कों की साझा संस्कृति को समाप्त करने पर आमादा लोग शायद नहीं जानते की कोई रहे या न रहे लेकिन जिंदगी कि ये तमाम मेले कभी कम नहीं होते।

राकेश अचल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त ख़बरें

खेत में तोड़फोड़ और आगजनी की घटना, पीड़ित ने न्याय की लगाई गुहार

कमलापुर, सीतापुर। दिनांक 18 मार्च 2025 को थाना कमलापुर क्षेत्र के ग्राम घाम सरीरा खुर्द में एक गंभीर घटना सामने आई, जिसमें एक किसान की निजी संपत्ति को क्षति पहुंचाई गई और आग के हवाले कर दिया गया। पीड़ित संदीप कुमार पुत्र रामेश्वर ने थाना कमलापुर में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि जब वह रात 10 बजे अपने खेत में चल रहे टेबल पंप को छोड़कर घर खाना खाने गए, तभी गांव के ही सुधीर कुमार उर्फ चंटू पुत्र रामदयाल अपने साथियों के साथ उनके खेत पर पहुंचे और वहां तोड़फोड़ करने के बाद उनकी सामग्री को आग लगा दी। इस आगजनी में पीड़ित की कई महत्वपूर्ण वस्तुएं नष्ट हो गई, जिनमें पाइप, दो रजाई, बिस्तर, चटाई, चारपाई, इलेक्ट्रॉनिक स्टार्टर, कटआउट सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल थी। संदीप कुमार के अनुसार, जब वह मौके पर पहुंचे, तो सुधीर कुमार वहां मौजूद था, जबकि अन्य आरोपी फरार हो गए। घटना की सूचना तत्काल 112 पुलिस सेवा को दी गई, जिस पर पुलिस मौके पर तो पहुंची, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। पीड़ित ने थाना कमलापुर में लिखित शिकायत देकर घटना की गहन जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पीड़ित ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है और इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की है। क्षेत्रीय लोगों में इस घटना को लेकर रोष व्याप्त है और वे प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

स्कूल से लौट रही किशोरी के साथ चैन स्नैचिंग का आरोप

महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत निपनिया निवासी 9 वर्षीय वर्षा पुत्री जोगिंदर गुरुवार की सुबह करीब ग्यारह बजे स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौट रही थी। आरोप है कि इस दौरान गांव के समीप सुनसान जगह पाकर पहले से घात लगाए तीन लोगों ने लड़की को रोककर उसके गर्दन पर धारदार हथियार रखकर उसके गले से सोने का लाकेट छीन लिया। लड़की ने शोर मचाया तो आरोपी लोग लड़की को जान से मारने की धमकी देते हुए चुप कराने लगे और वहां से लूटपाट कर फरार हो गए। वहीं 9 वर्षीय वर्षा जब घर पहुंची तो परिजनों को आपबीती सुनाई। परिजन तत्काल बाइक से आरोपियों का पीछा करने लगे जिसके बाद थाना क्षेत्र के बैकुंठपुर उर्फ बोदवार गांव के पास से परिजनों ने तीनों आरोपियों को पकड़ लिया और पुलिस को सुपुर्द कर दिया। लड़की की मां नीतू पत्नी जोगिंदर ने मामले में परसामलिक पुलिस को लिखित शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। इस संबंध में वरिष्ठ उप निरीक्षक अभिजीत कुमार ने बताया कि तीनों को थाने लाया गया है ऐसे में जांच-पड़ताल कर कार्यवाही की जाएगी।

बाइक के ठोकर से दो महिलाएं घायल

महराजगंज। सोनौली कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसासुमाली टोला विषनाथपुर गांव से पहले नौतनवा-ठूठीबारी मुख्य मार्ग पर बुधवार की दोपहर करीब 2 बजे पैदल जा रहीं तीन महिलाओं को एक बाईक चालक अनियंत्रित होकर ठोकर मार दिया जिसमें दो महिलाएं जख्मी हो गईं। परिजनों ने घायल महिलाओं को रतनपुर सीएचसी में भर्ती कराया जहां उनका इलाज हुआ। जानकारी के मुताबिक सोनौली कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसासुमाली टोला बिषनाथपुर निवासिनी राजकली पत्नी रामवृक्ष 50, कौशिल्या पत्नी कन्हई 36 व लक्ष्मीना पत्नी लक्ष्मण 32 वर्ष किसी काम से मिश्रौलिया चौराहे पर गई थीं। तीनों महिलाएं एक साथ पैदल अपने घर लौट रहीं थीं। गांव से पहले नौतनवा-ठूठीबारी मार्ग पर अनियंत्रित बाईक चालक ने पीछे से जोरदार ठोकर मार दिया। जिसमें राजकली व कौशिल्या जख्मी हो गईं। घायल महिलाओं का परिजनों व चालक ने रतनपुर सीएचसी पर इलाज कराया है।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर युवती को किया बरामद

हरदोई मझिला थाना क्षेत्र के एक गांव से युवती के लापता होने के मामले में थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर युवती को बरामद कर लिया है।आरोपी को जेल भेज दिया गया है।प्राप्त विवरण में 18 मार्च को युवती के पिता द्वारा थाना मझिला पर तहरीर दी गयी कि सचिन

पुत्र रामकिशोर निवासी ग्राम रसूलापुर थाना मझिला उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। इस सम्बन्ध में तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश शुरू की थी।थाना मझिला के उपनिरीक्षक ओमप्रकाश सिंह व आरक्षी उमेश कुमार द्वारा उपरोक्त अभियोग से संबंधित युवती को सकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित आरोपी को युवती के मेडिकल परीक्षण और बयान के आधार पर न्यायालय में प्रस्तुत किया है।जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

विजयम कान्वेन्ट पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव हुआ सम्पन्न

..... मुख्य अतिथि नाबार्ड के जितेंद्र श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का किया शुभारम्भ

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र के गांव डेबरिया में विजयम कान्वेन्ट पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि नाबार्ड के जितेंद्र श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन दूरदर्शन की उद्घोषिका शिवानी शर्मा द्वारा किया गया । स्कूली बच्चों ने अतिथियों का गीतों से स्वागत किया और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में स्थित यह अंग्रेजी माध्यम स्कूल बच्चों को निपुण बनाने में एक अच्छा मुकाम हासिल किया है। अल्प समय में इस विद्यालय ने क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बना रखी है। उन्होंने कहा कि विद्यालय की हर सम्भव मदद के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा। इसके पहले विद्यालय के प्रबंधक अंकित तिवारी ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों को बैज लगा कर व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के बच्चों ने नृत्य के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में छटा बिखेरी और नुक्कड़ नाटक की अलौकिक प्रस्तुति दी । कार्यक्रम के समापन में प्रधानाचार्या सारिका तिवारी ने अतिथियों, अभिभावकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सभी का आभार प्रकट किया ।इस अवसर पर भाजपा नेता नागेश्वर द्विवेदी , राजीव त्रिवेदी , समाजसेवी राजेश कुमार जायसवाल (राजू) किसान नेता ऋषि मिश्रा , वरिष्ठ पत्रकार मुकेश द्विवेदी , समाजसेवी दिलीप मिश्रा, पत्रकार शिवा मिश्रा , भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सनी पाण्डेय , ग्राम प्रधान प्रेम यादव , स्कूली बच्चों के अभिभावकों सहित क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों की मौजूदगी रही ।

मां ने किशोरी को गायब करने का लगाया आरोप

.... मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में युवती गायब, पुलिस में मुकदमा पंजीकृत ।

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक मां ने अपनी सोलह वर्षीय पुत्री को गायब करने का आरोप लगाते हुए तहरीर देकर पुलिस से कार्यवाही की मांग की है। ज्ञात हो कि मोहनलालगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासिनी एक महिला ने अपनी सोलह वर्षीय पुत्री को थाना क्षेत्र के अमलिहा खेड़ा मे सगे भाई बहन आंचल व रवि पर कहीं बहला फुसला कर भेजने का आरोप लगाते हुए तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।साथ ही मां ने यह भी आरोप लगाया है कि बेटी के बारे में पूछताछ करने पर उक्त लोग सही जवाब न देकर टाल मटोल करते हैं साथ ही गाली गलौज कर लड़ाई झगड़े पर भी आमादा हो जाते हैं।

थाना प्रभारी अमर सिंह ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कर जांच की जा रही है दोषी पाए जाने पर अभियुक्तों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।

अलमबाग से अकबरपुर जा रही बस का भीषण हादसा, एक की मौत, कई घायल

स्वतंत्र प्रभात

सोहावल, अयोध्या। आलमबाग से अकबरपुर, अंबेडकर नगर जा रही बस गुरुवार सुबह भीषण हादसे का शिकार हो गई। यह दुर्घटना सोहावल क्षेत्र में बरवा चौकी के पास, सत्ती चौरा से 200 मीटर पहले हुई। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान अजय सिंह के रूप में हुई है।

कैसे हुआ हादसा?

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस चालक सड़क किनारे खड़ी एक कार को बचाने के प्रयास में संतुलन खो बैठा, जिससे बस खंती (गड्ढे) में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि बस में सवार यात्रियों में अफरातफरी मच गई।

राहगीरों ने की घायलों की मदद

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंच गई और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रशासन का बयान

पुलिस ने बताया कि घायलों का इलाज जारी है और मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। बस को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

यात्रियों में दहशत

इस दुर्घटना के बाद बस यात्रियों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर आए दिन सड़क हादसे होते रहते हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

पुलिस कर रही जांच

फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और बस चालक से भी पूछताछ की जा रही है। घायलों की स्थिति को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने सभी को उचित चिकित्सा सुविधा देने का आश्वासन दिया है।

भागवत कथा के दूसरे दिन संध्या भारद्वाज ने कथा सुनाकर श्रोताओं को किया मंत्र मुग्ध

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली। गुरुबक्शगंज क्षेत्र के अंतर्गत बीझें गांव में सप्तवेदी, गणेश आंबिका, रूद्र हनुमत देव, सहित मोक्षदायिनी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन यजमान विश्वनाथ सिंह सपत्नीक सुशीला सिंह के यहां आनंद मिश्रा के द्वारा संकल्पित चौथी श्रीमद् भागवत कथा का हो रहा भव्य आयोजन। आपको बता दें कि, गुरबक्शगंज ग्राम सभा बीझें में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को सिधौना अमांवा से आई कथा व्यास संध्या भारद्वाज ने बताया कि, राजा परीक्षित श्रापित होने के बाद श्री सुखदेव जी महाराज के द्वारा मोक्षदायिनी श्रीमद् भागवत कथा का पान करते हुए अपने जीवन को सार्थक कर रहे हैं। कथा व्यास संध्या भारद्वाज ने यह भी बताया कि, मोक्षदायिनी श्रीमद् भागवत कथा जो की सुखदेव जी महाराज राजा परीक्षित को सुना रहे हैं वह पावन पुनीत कथा मानव के अंदर आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करती है, और हम सब लोगों को पापों से मुक्त करती है। ऐसे ही विविध प्रसंगों पर कथा कहते हुए पंडाल में उपस्थित समस्त श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। विदित हो कि क्षेत्र के ग्राम सभा जिहवा के रहने वाले आनंद मिश्रा ने बताया कि, हर दूसरे महीने अलग-अलग स्थानों पर उनके द्वारा संकल्पित श्रीमद् भागवत कथाओं का आयोजन किया किया जा रहा है। इस मौके पर यज्ञशाला के प्रमुख आचार्य पंडित योगेंद्र त्रिपाठी, परिचायक अमरेश शुक्ला, अरुण कुमार त्रिपाठी यजमान विश्वनाथ सिंह सपत्नीक सुशीला सिंह सहित करुणा नाथ सिंह, पारसनाथ सिंह, योगेंद्र नाथ सिंह, सतीश नाथ सिंह, गजेंद्र नाथ सिंह, त्रिभुवन नाथ सिंह, सुरेंद्र सिंह, नागेंद्र नाथ सिंह, वीरेंद्र नाथ सिंह,औतंश नाथ सिंह, दीपांशू सिंह, हिमांशू सिंह, उदयनाथ सिंह, जितेंद्र सिंह, रागेन्द्र सिंह, रामू त्यागी सहित बड़ी तादात में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चीफ वार्डन टीम ने एंबुलेंस व छात्रावासो का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में चीफ वार्डेन की टीम ने एम्बुलेंस व महिला छात्रावास का निरीक्षण किया। जिसमें सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने साथ साफ-सफाई पर विशेष जोर व दिशा-निर्देश दिया। एंबुलेंस कर्मियों वार्ड बॉय एवं सभी वार्डन चिकित्सक को सीपीआर प्रशिक्षण के लिए निर्देशित किया। विश्वविद्यालय के चीफ वार्डन प्रो. सौरभ पाल अपने वार्डेन टीम के साथ महिला छात्रावास पहुंचे और उन्होंने वहां मौजूद एंबुलेंस का निरीक्षण किया। जिसमें ऑटोमेटिक स्ट्रेचर व्हीलचेयर ऑक्सीजन सिलेंडर अग्निशमन यंत्र कंस्ट्रेटर नेबुलाइजर व्यवस्था प्राथमिक चिकित्सा के सभी सुविधाओं व्यवस्थाओं की जानकारी एंबुलेंस टेक्नीशियन मुकेश कुमार से ली। वहां मौजूद विश्वविद्यालय के फिजिशियन डॉ पुनीत सिंह से भी एंबुलेंस व्यवस्थाओं के बारे में सत्यापित कराया । सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त पायी गई। मौके पर ऑक्सीजन सिलेंडर की जांच कराई गई जिसमें 3 किलो ऑक्सीजन मौजूद मिला। इसके साथ ही एंबुलेंस के लिए तीन ड्राइवर नियुक्त किए गए हैं। जिसमें सुरेंद्र कुमार चालक मौजूद मिले। इसके अलावा अन्य सहयोगी मौके पर थे। एंबुलेंस कर्मियों को 24 घंटे हमेशा अपडेट रहने निर्देश दिया। उन्होंने एंबुलेंस की जांच पड़ताल के बाद परिसर में स्थित द्रोपती छात्रावास एवं मीराबाई छात्रावास का निरीक्षण किया। वहां बच्चों से बातचीत की। खान-पान की व्यवस्थाओं को दुरुस्त पाया। उन्होंने साफ-सफाई पर जोर दिया। बिजली पानी का जांच पड़ताल किया। जिसमें सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त पायी गई । वहां मौजूद कर्मचारियों को साफ सफाई के लिए विशेष जोर दिया। इस अवसर पर वार्डन डॉ मुनेंद्र कुमार सिंह, डॉ सुनील यादव मौजूद रहे।

कटेहरी ब्लॉक के विकास कार्यों पर संकट : चार्ज मिलते ही दरबन कलस्टर सचिव मेडिकल लीव पर गए

स्वतंत्र प्रभात

कटेहरी, अंबेडकर नगर। कटेहरी ब्लॉक में प्रशासनिक कार्यों को लेकर इन दिनों अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है। दरबन कलस्टर के सचिव को कटेहरी ब्लॉक की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन चार्ज मिलते ही उन्होंने 28 दिनों की मेडिकल लीव ले ली। यह छुट्टी ऐसे समय में ली गई है जब मार्च महीने की क्लोजिंग का समय चल रहा है, जो वित्तीय वर्ष का सबसे अहम समय माना जाता है।

विकास कार्यों पर पड़ा असर

सचिव की अनुपस्थिति के कारण कटहरी ब्लॉक में विकास कार्य और वित्तीय लेन-देन प्रभावित हो रहे हैं। ब्लॉक स्तर पर कई योजनाओं की क्लोजिंग होनी थी, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी की गैरमौजूदगी के कारण फाइलें लटकी हुई हैं। पंचायतों के भुगतान, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रशासनिक कामकाज में ठहराव आ गया है।

सवालों के घेरे में प्रशासनिक व्यवस्था

सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि मार्च की क्लोजिंग जैसी महत्वपूर्ण अवधि में इतनी लंबी छुट्टी कैसे स्वीकृत हुई? क्या प्रशासन ने पहले से कोई वैकल्पिक व्यवस्था की थी, या फिर इस लापरवाही का खामियाजा जनता और विकास कार्यों को भुगतना पड़ेगा? कटेहरी ब्लॉक के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि सचिव की अनुपस्थिति से कई महत्वपूर्ण फाइलों पर हस्ताक्षर नहीं हो पा रहे हैं, जिससे सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस मुद्दे पर क्या कदम उठाता है और विकास कार्यों को पटरी पर लाने के लिए क्या वैकल्पिक व्यवस्था की जाती है।

विधायक ने मृतक की पत्नी को प्रदान किया अनुग्रह राशि का पत्र

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां (सीतापुर)। क्षेत्रीय विधायक ज्ञान तिवारी ने तहसीलदार बिसवां उमाशंकर त्रिपाठी के साथ जहांगीराबाद के मजरा गांव मवासेपुर जाकर पीड़ित परिवार को शासन द्वारा दी जा रही अनुग्रह राशि का पत्र प्रदान करते हुए आश्वस्त किया कि आज शाम तक अनुग्रह राशि का भुगतान मृतक की पत्नी के खाते में पहुंच जायेगा। ज्ञातव्य हो कि होली के दिन रंग खेलने के बाद केवानी नदी में नहाते समय मवासेपुर निवासी अरविन्द कुमार वर्मा (32वर्ष) पुत्र ओमप्रकाश वर्मा उर्फ भौकाली की डूब जाने से मौत हो गई थी। खबर पाकर अंतिम दर्शन के लिए क्षेत्रीय विधायक ज्ञान तिवारी उसके घर पहुंचे थे । उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया था तथा शासन स्तर से हर संभव मदद की दिलाशा दी थी। वृहस्पतिवार को दोपहर बाद विधायक ने गांव जाकर मृतक की पत्नी कल्पना देवी को चार लाख की अनुग्रह राशि का पत्र सौंपा। विधायक ने पीड़ित को यह भी आश्वासन दिया कि प्रयास करके एक लाख की और अनुग्रह धनराशि भी मृतक की पत्नी को दिलाने का प्रयास करूंगा।पत्नी पर एक अबोध बेटी और दो छोटे छोटे बेटों के पालन का भार है। इस मौके पर तहसीलदार बिसवां के अलावा क्षेत्रीय लेखपाल नीलेश कुमार यादव, राकेश कुमार, अनुराग पाठक,महानारायण वर्मा,शिव कुमार गुप्ता,ओम् प्रकाश वर्मा उर्फ भौकाली,राकेश बाबा,बबलू व कमलेश वर्मा सहित गांव व क्षेत्र के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

विहिप ने गायत्री मंदिर मनाया होली मिलन समारोह

स्वतंत्र प्रभात

शाहाबाद हरदोई। कस्बे के मोहल्ला चौक गायत्री मंदिर पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह के नेतृत्व में होली मिलन समारोह किया गया। होली मिलन समारोह में संगठन के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यकर्ताओं में पुनः एक बार जोश दिखाई पड़ा कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याओं को भी रखा।कार्यकर्ताओं की समस्याओं पर प्रांत उपाध्यक्ष श्री सिंह ने संगठन को पुनः संगठित होकर काम करने का निर्देश दिए और उन्होंने कहा सभी कार्यकर्ता पहले की तरह संगठन को आगे बढ़ाएंगे हर जगह हर गांव में हर मोहल्ले में अपनी टीम तैयार करेंगे और उन्होंने कहा कि हमारी जहां पर आवश्यकता पड़े मैं तन मन धन से आपके साथ खड़ा हूं खड़ा रहूंगा यह सुनकर सभी कार्यकर्ताओं में जोश भर गया और जय श्री राम के नारे लगने लगे सभी कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि हम सब एक होकर संगठन के लिए हर गांव और मोहल्ले तक जाकर कार्यकर्ताओं को जोड़ने का कार्य करेंगे।कार्यक्रम में मुख्य रूप से पवन रस्तोगी अशोक कुमार गुप्ता, बबलू लाहोरी, रोहित गुप्ता बजरंगी, नवनीश गुप्ता, मनीष गुप्ता, प्रेम शंकर, सनी, सोनपाल वर्मा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत माधौपुर ब्लॉक भदपुरा बरेली

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत माधौपुर मनरेगा के तहत

क्र0 म0	कार्य का नाम	मटेरियल लागत
1.	रामासरे के घर से मीना के घर तक सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य	360.000
2.	मुनीश के घर से महेश के घर तक सीसी रोड व नाली निर्माण	96.786
3.	राजु के घर से बृजलाल के घर तक सीसी रोड ब नाली निर्माण	113.832
4.	भगवान दास के घर से नरेश के घर तक सीसी रोड ब नाली निर्माण कार्य	184.200
5.	रामौतार के घर से प्राथमिक विद्यालय वीरपाल के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य	356.687
6.	भुमसेन महराज से प्राथमिक विद्यालय तक सीसी रोड निर्माण कार्य	181.965

निर्माण कार्य हेतु पंजीकृत फर्मों से निविदा आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 24/3/2025 को निविदा दाताओं के समक्ष खोली जाएगी निर्माण स्थल पर आपूर्ति हेतु ईट सरिया सीमेंट रेता बजरी है इसकी सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जिसे किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है।

त्रिवेंद्र गंगवार
ग्राम प्रधान

सचिन गंगवार
सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत रायपुर नेरुवा शिवगढ, रायबरेली

पत्रांक मेमो /मनरेगा/निविदा/सामाग्री आपूर्ति/2024-2025 दिनांक- 22/03/2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत रायपुर नेरुवा वि0ख0 शिवगढ रायबरेली मे मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से वर्ष 2024-2025 मे कराये जाने वाले निर्माण कार्यो पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से दिनांक 27/03/2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत रायपुर नेरुवा मे निविदाऐ आंमत्रित की जाती है जो उसी दिन अपरान्ह 3:00 बजे निविदा कमेटी के समक्ष खोली जायेगी। टेण्डर फार्म बिक्री ग्राम पंचायत रायपुर नेरुवा कार्यालय मे दिनांक 22/03/2025 से टेण्डर खुलने की तिथि तक कार्य दिवस में की जायेगी। बिना कारण बताये किसी भी निविदा अथवा समस्त निविदाओ को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम विकास अधिकारी शिवगढ रायबरेली में निहित होगा। निविदा के साथ अनुमानित मूल्य का 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगद/एन0एस0सी0/ एफ0डी0आर0 जो ग्राम विकास अधिकारी शिवगढ के पदनाम से बंधक होगा। जमा करना अनिवार्य होगा।

क्र0 म0	कार्य का नाम	आपूर्ति की जानी वाली सामग्री का विवरण	मात्रा	दर	अनुमानित मूल्य	धरोहर की 02 प्रतिशत धनराशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य पूर्ण होने का समय
1	इण्टरलाकिंग निर्माण संतोष के दरवाजे से छेदालाल के घर तक	इण्टरलाकिंग ईट एरिया	231 घन मी.	906.24	209341	4186	150	1 माह

शर्ते/प्रतिबन्धः-

1. सामग्री आपूर्ति आवश्यकतानुसार आपूर्ति आदेश देने के उपरान्त कार्य स्थल पर करना होगा।
2. नियमानुसार आयकर /जी0एस0टी0/सेस की कटौती बिल कर की जायेगी।
3. निविदा के साथ पैन नं0 एवं टिन नं0 की प्रमाणित छायाप्रति लगाना अनिवार्य होगा।
4. आपूर्ति की जाने वाली सामग्री की मात्रा घट बढ सकती है।

सचिव
ग्राम पंचायत रायपुर नेरुवा
वि0ख0 शिवगढ़-रायबरेली

संक्षिप्त ख़बरें

अधिवक्ता वेलफेयर एसोसिएशन की कार्यकारिणी निर्विरोध निर्वाचित

बिलग्राम अधिवक्ता वेलफेयर एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव 2025 की कार्यकारिणी निर्विरोध निर्वाचित हुई है। एसोसिएशन के अधिवक्तागणों में क्रमशः अध्यक्ष पद वरिष्ठ अधिवक्ता सियाराम यादव, नीलमणि सिंह उपाध्यक्ष, रामप्रसाद आर्य मंत्री, रामनिवास संयुक्त मंत्री, सर्वेश कुमार यादव कोषाध्यक्ष, ब्रह्मा सिंह पुस्तकालयाध्यक्ष एवं गंगाराम सदस्य कार्यकारिणी पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। निर्वाचन अधिकारी करमुल्ला खां एडवोकेट ने सभी को प्रमाणपत्र दिए। इसके उपरांत अधिवक्ता मानसिंह कुशवाहा ने सभी कार्यकारिणी सदस्यों को माला पहनाकर स्वागत सत्कार किया।

रेलवे मजदूर कांग्रेस का अधिवेशन संपन्न

शहडोल ! दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर कांग्रेस के केंद्रीय पदाधिकारी की मौजूदगी में रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा शहडोल का द्विवर्षीय अधिवेशन गुरुवार को यूनियन कार्यालय शहडोल में संपन्न हुआ ! इस मौके में बिलासपुर मंडल के केंद्रीय पदाधिकारी में मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री , जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, अर्बन बैंक डायरेक्टर एवं केंद्रीय पदाधिकारी रामकुमार यादव, केंद्रीय कोषाध्यक्ष डी,.के.स्वाई की उपस्थिति में रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा शहडोल के नए पदाधिकारी को मनोनीत किया गया जिसमें शाखा सचिव के रूप में बालाकृष्णा बंगारी , शाखा अध्यक्ष प्रभास कुमार , उपाध्यक्ष सी. एन. सिंह के अलावा 9 अन्य लोगों को शाखा शहडोल के पदाधिकारी की जिम्मेदारी सौपी गई है ! इस संबंध में जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने बताया कि इस बार मुख्य शाखा के पदाधिकारी के अलावा रनिंग शाखा , इंजीनियरिंग शाखा एवं युवा समूह शाखा भी बनाया गया ! कार्य कुशलता के आधार पर यूनियन के कार्यकर्ताओं को मुख्य शाखा से जुड़ने का मौका मिलेगा ! शाखा शहडोल में आयोजित द्वि वर्षीय अधिवेशन कार्यक्रम में सैकड़ो रेलवे कर्मचारी की उपस्थिति रही !

एडीएम ने निर्मित हो रहे योग मुद्रा का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत उसका बाजार के तेतरी तिराहा पर निर्मित हो रहे योग मुद्रा का निरीक्षण एडीएम गौरव श्रीवास्तव ने किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करते हुए पक्का कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। बता दें कि इसका उद्घाटन 23 मार्च को संभावित है। इस दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि हेमंत जायसवाल, ईओ अभिनव श्रीवास्तव, संजय लाल, मोहिउद्दीन, सोनू मिश्रा आदि मौजूद रहे।

गोल्हौरा मुस्तहकम विद्यालय के इको क्लब ने मनाया गौरैया दिवस

सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र बढ़नी के प्राथमिक विद्यालय गोल्हौरा मुस्तहकम में विद्यालय के इको क्लब ने गुरुवार को विश्व गौरैया दिवस मनाते हुये विलुप्त हो रही पक्षी गौरैया को बचाने का संकल्प लिया। बच्चों ने विद्यालय में आयोजित गौरैया संरक्षण आधारित पोस्टर प्रतियोगिता में सहभागिता निभाई। प्रधानाध्यापक डॉ0 आशुतोष सिंह ने बच्चों को जागरूक करते हुए कहा कि विश्व गौरैया दिवस प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है, इसकी शुरुआत 2010 में हमारे देश की नेचर फारएवर सोसाइटी ने की थी। इस दिवस को मनाने का उदेश्य घरेलू गौरैया के बारे में जागरुकता बढ़ाना और इसकी विलुप्ति को रोकना है। गौरैया संरक्षण और गौरैया दिवस मनाने व उद्देश्य पर बच्चों को विस्तृत जानकारी दी गई। पोस्टर गतिविधि में विद्यालय के बड़ी संख्या में बच्चों ने सहभागिता निभाकर गौरैया को बचाने और घोंसला बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर शिक्षक बाबूलाल प्रसाद, धर्मेन्द्र विश्वकर्मा, अभिनव मिश्रा, सुप्रिया राय आदि उपस्थित रहे।

श्रीराम कथा में राम जन्म होते ही जय श्रीराम के नारों से गूजा पंडाल

सिद्धार्थनगर। भनवापुर क्षेत्र के श्री राम जानकी मंदिर चौखड़ा में श्री विष्णु महायज्ञ एवं श्री राम कथा मे बुधवार की रात राम जन्म होते ही पूरा पंडाल प्रभु श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। कथावाचक बलराम दास शास्त्री ने कहा कि भगवान का जन्म असुरों और पापियों का नाश करने के लिए हुआ था। भगवान राम ने बाल्यावस्था से ही असुरों का नाश किया। कथावाचक ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का जीवन चरित्र अनंत सदियों तक चलता रहेगा। राम कथा में पिता के प्रति मां के प्रति और भाई के प्रति प्रभु राम का जो स्नेह प्रेम रहा सदा सदा के लिए अमर है। कथावाचक ने कहा कि राजा दशरथ संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ के पास जाते हैं।

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत 3 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का सफल आयोजन सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत 3 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का सफल आयोजन स्वदेशी जागरण मंच के सानिध्य में 16 मार्च से 18 मार्च 2025 तक जिला पूर्णकालिकों के लिए एक 3 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वावलंबी भारत अभियान और स्वदेशी जागरण मंच के केंद्रीय कार्यालय धर्मक्षेत्र, शिवशक्ति मंदिर, आर के पुरम में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण वर्ग में उत्तर क्षेत्र के विभिन्न प्रांतों जैसे हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के 40 पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। उद्घाटन और जैविक उद्यमिता पर प्रशिक्षण 16 मार्च को प्रशिक्षण वर्ग की शुरुआत एक गरिमामयी उद्घाटन सत्र के साथ हुई, जिसमें स्वदेशी जागरण मंच के संगठक कश्मीरी लाल सह-संगठक सतीश कुमार , इंस्टिट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (आईआईडी) से रवि कवी और अनुराधा भारत्वल और सुनीता भारत्वल उपस्थित थे। पहले दिन के सत्र में सतीश कुमार ने जैविक उद्यमिता पर प्रशिक्षण दिया और पूर्णकालिकों के प्रश्नों का समाधान किया। द्वितीय दिवस पर इंस्टिट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (आईआईडी) के प्रमुख कार्यालय नोएडा में प्रशिक्षण 17 मार्च को संपन्न हुआ। इस दिन चंद्रशेखर , रवि कवी और इंस्टिट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (आईआईडी) के प्रमुख प्रशिक्षकों ने पूर्णकालिकों को मार्गदर्शन प्रदान किया और प्रशिक्षण वर्ग को सफलतापूर्वक समाप्त किया। मार्गदर्शन और समापन 18 मार्च को तृतीय और अंतिम दिवस के सत्र में दीपक प्रदीप, कुलदीप और अनुराधा दीदी ने प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। इस सत्र के माध्यम से पूर्णकालिकों को अपनी जिम्मेदारियों और स्वावलंबी भारत अभियान के उद्देश्यों को लेकर और स्पष्ट दिशा-निर्देश मिले। सफलता की ओर एक कदम और यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग अनुराधा के नेतृत्व में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। संस्था प्रवक्ता जय देवी ने ब्यूरो चीफ विजय गौड़ को बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्वावलंबी भारत के निर्माण में लोगों को प्रेरित करना और उन्हें स्वदेशी उत्पादों और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए तैयार करना था। यह प्रशिक्षण वर्ग स्वदेशी जागरण मंच की योजनाओं और उद्देश्यों के प्रति कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वदेशी जागरण मंच ने अपने मिशन को आगे बढ़ाने और स्वावलंबन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

प्रधानमंत्री और असम के मुख्यमंत्री की अगुवाई में गरीबी रेखा के गरीबों के लिए आवास सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा कदम

स्वतंत्र प्रभात

श्रीभूमि (करीमगंज)। वर्तमान सरकार भारत के हर कोने में विकास के लिए निरंतर काम कर रही है, लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसी तरह काम कर रहे हैं जैसे उन्होंने सबका साथ सबका विकास के नारे के माध्यम से कहा है। इसके परिणामस्वरूप, भारत सहित असम की अन्य विधानसभाओं के साथ समन्वय में, उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीबों को घर देकर हर क्षेत्र और गांव में लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने का काम किया है। और जो लोग अभी तक घर नहीं पा सके हैं, उन्हें भी मिलेगा निरंतर प्रयास किया जा रहा है गरीबों के लिए आवास योजना के माध्यम से, असम के मुख्यमंत्री ने असम के गरीब लोगों को लाइव प्रोजेक्टर के माध्यम से कहा कि इस घर को पाने के लिए किसी को एक भी रुपया नहीं देना होगा प्रधानमंत्री आवास योजना घर सरकार की तरफ से मुफ्त में मिलेगा। इस अवसर पर आज 18 मार्च (बुधवार) को असम सहित श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा पाति फील्ड में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों और सामान्य नागरिकों की उपस्थिति में उक्त योजना की पहली किस्त के स्वीकृति पत्र का औपचारिक वितरण विधायक विजय मालाकार द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में दुल्लभछड़ा, रामकृष्णनगर और भैरवनगर खंड विकास के अंतर्गत सभी जीपी के हितग्राहियों सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे। आज असम के पलाशबाड़ी मंडल में केंद्रीय रूप से आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना की चेक वितरण समारोह का शुभारंभ असम के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा किया गया। एक ही समय में असम के प्रत्येक जिले की विधान सभा के मंडल में इस चेक वितरण समारोह का समापन किया गया। बैठक में मुख्यमंत्री और पंचायत मंत्री रंजीत दास की टिप्पणियों और लाइव प्रोजेक्टर के माध्यम से वितरण प्रसारण किया गया। उस दिन पूरे राज्य में 3 लाख 88 हजार हितग्राहियों की सूची जारी की गई। और प्रत्येक सामुदायिक बैठक के माध्यम से वितरण किया गया है। रामकृष्णनगर और राताबाड़ी क्षेत्र के अंतर्गत दुल्लभछड़ा विकास खंड में इस संबंध में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रत्येक जीपी के हितग्राही सहित स्थानीय जनता और बीजेपी के सभी कार्यकर्ता उपस्थित थे। और मुख्यमंत्री उद्घाटन समारोह को उपस्थित सभी लोग लाइव प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रसारण किया गया। इसके बाद रामकृष्णनगर उपजिला के अधिकारी ध्रुवज्योति देव उपस्थित सभी हितग्राहियों और जनता का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने पहले दिन की बैठक के उद्देश्य के बारे में स्पष्ट रूप से लंबी टिप्पणी की। इसके बाद विधायक विजय मालाकार ने जनता के सामने लंबी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास मंत्र से सभी भारतीयों और प्रत्येक राज्य को विकास प्रक्रिया से वंचित करने के दंश से बाहर लाने के लिए वह दृढ़ संकल्पित हैं। भारत के विभिन्न हिस्सों के गरीब लोगों के बारे में सोचते हुए वह काम कर रहे हैं। आज तीसरी किश्त के लिए मंत्री के आवास योजना के तहत घर निर्माण में चेक वितरित किया गया पूरे असम में 3 लाख 88 हजार हिताधिकारियों में रामकृष्णनगर एवं राताबाड़ी क्षेत्र में 3 हजार 473 लोगों ने यह चेक प्राप्त किया। सभा में अन्य लोगों के बीच रामकृष्णनगर सर्कल ऑफिसर सैविक दत्त, दुल्लभछड़ा विकास खंड के अधिकारी दीप्त कांत चमुआ, सहायक अधिकारी प्रिंगका युमनुम, भैरव नगर बीडीओ रेसिंग किंग रिंगते और भाजपा के सभी कार्यकर्ता मौजूद थे। इस बीच विधायक विजय ने और कहा कि राशन कार्ड रखने वाले प्रत्येक हिताधिकारियों को डीलर के माध्यम सेबाजार मूल्य से 25 रुपए बचत के साथ चीनी और दाल मिलेगी। इसके साथ ही हाल ही में 220 मंदिरों को 3 लाख रुपए का अनुदान दिया जाएगा। इसके अलावा जिनका जियोटेक नहीं हुआ है, वे खुद जियोटेक करके भेज सकते हैं। आजीविका सहायिकाएँ 26 मार्च से आवास योजना का जियोटेक करेंगी। क्षेत्र में चेक पाने पर हिताधिकारियों में खुशी का माहौल देखने को मिला।

लायंस क्लब गंगा का होली मिलन समारोह हुआ संपन्न और दीपक गुप्ता नवनिर्वाचित अध्यक्ष चुने गए।

स्वतंत्र प्रभात

शहर वाराणसी,

वृहस्पतिवार को समाज सेवी संगठनों में से एक लायंस क्लब की शाखा लायंस क्लब वाराणसी गंगा का होली मिलन समारोह होटल इलैगंस वाराणसी मे संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व गवर्नर लायन दीपक अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व अध्यक्ष रीजन चेयरपर्सन लायन अजातशत्रु सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। क्लब के अध्यक्ष लायन मोहम्मद अमान ने अतिथियों का स्वागत एवं माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में सभा में आए सभी लायन साथियों ने क्लब के निर्वाचित अध्यक्ष चुने जाने पर लायन दीपक गुप्ता तालियां बजाकर अभिनंदन किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने नए सत्र अध्यक्ष लायन दीपक गुप्ता के उज्जवल भविष्य की कामना की एवं क्लब को सफलता की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रण लिया। सभी सदस्यों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी।लायंस क्लब का मूल मंत्र ही सेवा है और डिस्ट्रिक्ट में 3000 सदस्यों के माध्यम से सेवा लगातार की जा रही है। लायंस क्लब वाराणसी गंगा द्वारा प्रत्येक रविवार को गरीब लोगों को निशुल्क खिचडी, साड़ी, फल वितरण किया जाता है। तथा समय समय पर गरीब कन्याओं का विवाह एवं निर्धन बेसहारा लोगों के बीच कंबल वितरण, मेडिकल जांच शिविर दवा आदि वितरण का कार्य निरंतर किया जाता रहा है। उक्त अवसर पर लायन कमलेश जिंदल, पूर्व गवर्नर दीपक अग्रवाल, रीजनल चेयर पर्सन लायन अजात शत्रु सिंह,क्लब के अध्यक्ष लायन मोहम्मद अमान, सचिव दीपक गुप्ता, कोषाध्यक्ष अशोक मौर्य, अनिल जैन, डॉ महेंद्र सिंह, डॉ सीपी सिंह, रमेश गुप्ता, प्रदीप कुशवाहा, पंकज क्वात्रा, सुजीत पाल, डॉ संजय गुप्ता, ज्योति प्रकाश, विरेन्द्र सिंह, जितेंद्र कुमार, पवन सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

लंबित राजस्व वादो का हो शत प्रतिशत निस्तारण लापरवाही बरतने वाले.....

25 से 27 तक तीन दिवसीय मेले में केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का किया जाए प्रचार-प्रसार

मुख्यमंत्री जी ने वर्तमान प्रदेश सरकार के सेवा सुरक्षा व सुशासन की नीति के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आगामी 25 से 27 मार्च तक सभी जिला मुख्यालय पर तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया जाए जिसमें केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियां व विकास योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जाये। महाकुंभ के सफल आयोजन पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया जाए विकास पुस्तिका का विमोचन किया जाए तथा केंद्र सरकार के 10 वर्ष तथा प्रदेश सरकार के 8 वर्ष की उपलब्धियां तथा जनहित में क्रियान्वित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं परियोजनाओं कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया जाए सभी विभागों द्वारा जनपद स्तर पर प्रदर्शनी लगाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी व लाभ प्रदान किया जाए। मेले में लाभार्थी पारक योजनाओं यथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना वृद्धावस्था पेंशन निराश्रित महिला पेंशन पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना पीएम अजय प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना टूल किट योजना दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल उपकरण आदि का वितरण प्रधानमंत्री स्टार्टअप योजना मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना मुख्यमंत्री अप्रेंटिस योजना आदि से आच्छादित पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिया जाए जनपद स्तरीय बैंकर्स कमेटी के साथ समन्वय स्थापित करने में मेलों का आयोजन रोजगार एवं सेवायोजन निदेशालय के सहयोग से रोजगार मेले का आयोजन किया जाए। मेले में प्रतिदिन सांयकाल सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें स्थानीय कलाकारों को वरीयता प्रदान की जाये। उन्होंने पुलिस विभाग से कहा कि सभी शहर के सभी ई रिक्शा चालकों का पुलिस वेरिफिकेशन कराया जाये। किसी भी नाबालिक को ई रिक्शा चलाने की अनुमति न दी जाए यदि कोई नाबालिक ई रिक्शा चलाता है तो कठोर कार्रवाई की जाए।माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नेपाल से हमारे सनातन संबंध है। यदि कोई नेपाल का नागरिक छोटी मोटी खरीदारी करने आता है तो उसमे कोई भी व्यवधान ना डाला जाए परंतु बड़े स्तर पर की खरीदारी करता है तो उस पर रोक लगाई जाये।माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मंडल के सभी सड़क ठीक हो। जर्जर व झूलते तारों को बदला जाए। पेयजल व सीवर की समस्या को समाप्त किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने सभी जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक व तहसील स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यालय में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या को गम्भीरता से सुना जाए। जनता की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए जिससे प्रत्येक नागरिक को न्याय मिल सके। तहसील व थाने से जुड़ी समस्या को जड़ से खत्म किया जाए। सभी वन टांगिया गांव को राजस्व गांव की श्रेणी में लाया जाए जिससे कि वहां पर भी निरंतर विकास हो सके। आकांक्षात्मक ब्लॉकों में विकास कार्यों में तेजी लाकर अकांक्षात्मक ब्लॉक को विकसित किया जाये। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जिला मुख्यालय से जुड़ी नगर पालिकाओं को स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित किया जाए। पेयजल, जल भराव एवं सीवर आदि की समस्या को दूर किया जाए। सभी जनपदों के डीआईओएस व बीएसए स्कूली शिक्षा को ठीक करें। स्कूल से संबंधित सभी योजनाओं का लाभ संबंधित को दिलवाएं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद में गो तस्करी लव जिहाद जैसी अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। कानून व्यवस्था को न बिगड़ने दिया जाए। सभी त्योहारों को शांतिपूर्वक संपन्न कराया जाए। त्योहारों में खलल डालने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। शहरों में ट्रैफिक जाम की समस्या को समाप्त किया जाए। अवैध स्टैंडों को हटाया जाए। खनन, वन व भू माफिया पर कठोर कार्रवाई की जाए।

किसानों पर कार्रवाई साबित करती है कि आप किसानी संकट हल करने में असफल रही : परमजीत सिंह सरना

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष, श्री परमजीत सिंह सरना ने प्रदर्शनकारी किसानों पर पंजाब सरकार की कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे राज्य में गहराते कृषि संकट को हल करने में आम आदमी पार्टी (आप) की विफलता का स्वीकारोक्ति बयान बताया। सरना ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से तुरंत इस्तीफा देने की मांग करते हुए उन लोगों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया, जिन्होंने वोट देकर उनकी नेतृत्व क्षमता पर भरोसा जताया था। सः सरना ने कहा एक विरोध आंदोलन से जन्मी पार्टी अब शांतिपूर्ण और जायज़ प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ हो गई है। यह सिर्फ़ पाखंड नहीं है - यह इस बात का प्रमाण है कि 'आप' ने पंजाब पर शासन करने का नैतिक अधिकार खो दिया है। पंजाब के किसान एक साल से अधिक समय से प्रदर्शन कर रहे हैं, वह निष्पक्ष खरीद नीति, न्यूनतम समर्थन मूल्य एम एस पी की गारंटी और कर्ज़ से राहत की मांग कर रहे हैं। लेकिन उनसे सार्थक संवाद करने के बजाय, भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार ने उनकी आवाज़ को दबाने का रास्ता चुना है। सः सरना ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक की लुधियाना में हाल ही में हुई उद्योगपतियों के साथ बैठक की ओर इशारा किया और सवाल उठाया कि क्या अचानक की गई यह कार्रवाई उस बैठक से जुड़ी हुई है। सः सरना ने आप से सवाल करते हुए कहा कि क्या यह आप और अन्य पूंजीवादी ताकतों के बीच किसानों के हितों के साथ समझौता कर, उद्योगपतियों के हितों को आगे बढ़ाने के लिए किया गया सौदा है? यह स्वीकार करते हुए कि लंबे समय तक सड़क नाकेबंदी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है, सरना ने ज़ोर देकर कहा कि कोई भी किसान सामान्य परिस्थितियों में सड़कों पर नहीं बैठता जब तक कि उसे मजबूर न किया जाए। उन्होंने कहा किसान किसी तरह की विशेष सुविधा नहीं मांग रहे; वह केवल अपनी लागत की भरपाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उद्योग एयर-कंडीशन्ड दफ्तरों में चलते हैं, जबकि किसान तेज़ धूप और सर्द रातों में अपनी फसल की रक्षा करते हैं इसलिए दोनों की तुलना संभव नही है। सः सरना ने चेतावनी दी कि पंजाब का किसान सम्मान का हक़दार है, दमन का नहीं। उन्होंने कहा यह सरकार जनता की सेवा करने के लिए चुनी गई थी, उन पर ज़बरदस्ती करने के लिए नहीं। अगर भगवंत मान में ईमानदारी बची है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

वीरांगना अवंतीबाई लोधी का मनाया गया बलिदान दिवस

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। महारानी अवंतीबाई लोधी सेवा समिति के बैनर तले अमर शहीद वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी का बलिदान दिवस पर बृहस्पतिवार को ग्राम कपिया में 1857 की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी की बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित समिति के पदाधिकारी कार्यकर्ता सहयोगी एवं अन्य समाज के लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया तथा लोधी समाज की समस्या एवं इनके उत्थान के लिए जोरदार चर्चा किया गया सपा के जिला अध्यक्ष लालजी यादव ने महारानी अवंतीबाई लोधी के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा की जिस वीरांगना का बलिदान दिवस आज मना रहे हैं कि अंग्रेजों से लोहा लेते हुए अपनी जान की बाजी लगा देने वाली वीर शहीद वीरांगना महारानी अवन्तीबाई लोधी को कोटि-कोटि नमन करता हूं अवंतीबाई लोधी सेवा समिति के संस्थापक कन्हैया लाल लोधी ने वीर शहीद वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए बैठे हुए सभी कार्यकर्ताओं से कहां हम समाज में निरंतर जागृति करते रहते हैं की समाज में शिक्षा की कमी होने के नाते अभी समाज में और सामाजिक चेतना की जरूरत है जिसे समाज में किसी प्रकार की कोई समस्या न होने पाए समाज के लोगों में शिक्षा होना आवश्यक है उन्होंने कहा समाज में भाईचारा कायम करने की जरूर है निरंतर समाज को जोड़ा जा रहा है कार्यक्रम में उपस्थित सुखलाल लोधी, सूरज लोधी, रामनिहाल लोधी राममिलन लोधी पृथ्वीराज लोधी ,हरि नारायण यादव ,ओम प्रकाश लोधी ,रिंधू पासवान, राजेंद्र प्रसाद, प्रधान रामसेवक लोधी ,प्रदीप पत्थर कट्ट, मिथिलेश लोधी, दीपचंद लोधी, तीरथ लोधी,आदि लोगों ने संबोधित किया।

वार्षिकोत्सव एवं शारदा संगोष्ठी आयोजित

सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र शोहरतगढ़ के प्राथमिक विद्यालय नवीन पकड़ी में गुरुवार को वार्षिकोत्सव एवं शारदा संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष डॉ पवन मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष ज़फर आलम व अब्दुल अजीज ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस दौरान विद्यालय के छात्र अंकुर ,रुद्र, लक्षिता, करीना, अक्षांश, वैष्णवी ,अनुज, अजीत ,नैंसी, रितिका ,वर्तिका, साक्षी आदि ने कान्हा काटे मत चुटकी, ये प्रयागराज है, बेटी हिंदुस्तान की, एक बार सलामी दे दो, राम आएंगे ,बड़ा नीक लागे आदि विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति कर वाहवाही बटोरी। नियमित आने वाले लगभग 50 बच्चों व विद्यालय के 20 निपुण बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापिका कल्पना ने अतिथियों के प्रति आभार जताते हुए अंग वस्त्र भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन एआरपी मुस्तन शेरुल्लाह ने किया।

इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका कल्पना, राम प्रसाद, कृष्णकला, अश्वनी कुमार, जफर आलम,अब्दुल अजीज, कमलेश दूबे, सुशील सिंह, हारून,नैयर सिद्दीकी, नन्दनी उपाध्याय, आनंद प्रकाश गोंड, मोहम्मद नैयर सिद्दीकी, अश्विनी चौधरी, रामप्रसाद यादव, कृष्ण कला, महेश प्रसाद, महेंद्र यादव, संजय कुमार उपस्थित रहे।